



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 54]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 1990/फाल्गुन 18, 1911

No. 54]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 1990/PHALGUNA 18, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

बिस मंत्रालय  
(प्राधिक कार्ये विभाग )  
प्रधिसूचना  
नई दिल्ली, 9 मार्च, 1990

सं. एफ. 4 (5) छप्पू एण्ड एम/89—10.50 प्रतिशत अरु, 1999 (पांचवाँ निर्मम) 11.00 प्रतिशत अरु, 2004 (पांचवा निर्मम) और 11.50 प्रतिशत अरु, 2009 (पांचवा निर्मम) के लिए कुल 934 करोड़ रुपयों का यथासंभव उसके निकट के कुप राशि के बास्ते 19 मार्च, 1990 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभियान तकरी में स्वीकार किये जायेंगे। पर आम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 19 मार्च, 1990 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अपने कार्य विन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित प्रावाहन कार्यालयों में अभियान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त अरुओं की कुल अभियान राशि 934 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभियानाओं को आनुपातिक अधार पर आंशिक अवै-

दन किया जाएगा। यदि आंशिक अवैद्यन किया जाता है तो आंशिक अवैद्यन के बाद यथार्थी अधिक अभियान की राशि लाठी दी जाएगी। इस प्रकार लाठीय नवी राशियों पर कोई अवज्ञ अवश्य नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई, 1999 को समतुल्य पर प्रतिशेष 10.50 प्रतिशत अरु 1999 (पांचवा निर्मम)।

(1) आपसों अवायी की लारेल—अरु 15 मई, 1999 को समतुल्य पर बापस अरु किया जाएगा।

(2) निर्मम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्मम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(3) अवाज—इस अरु की अवाज दर 19 मार्च, 1990 से आंशिक 10.50 प्रतिशत होगी। 19 मार्च, 1990 से 14 मई, 1990 (सहित) की अवधि के लिए अवाज 15 मई, 1990 की अवाज किया जायेगा तथा तत्पश्चात् अवाज छमाही।

आधार पर 15 नवंबर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपर्योग के प्रयोग आवकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. ₹. 100.00 प्रतिशत का दर पर जरूरी किया जाने वाला और 15 मई, 2004 को समन्वय पर प्रतिदेव 11.00 प्रतिशत अदा 2004 (पांचवां निर्गम) :

- (1) बापतः अदायगी को कार्यालय—व्याज 15 मई, 2004 को समन्वय पर अदा किया जायेगा।
- (2) निर्याम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्याम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) अज्ञान—इस देश की अदान दर 19 मार्च, 1990 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 19 मार्च, 1990 से 14 मई, 1990 (सहित) को अदावि के लिए व्याज 15 मई, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् व्याज छमाही आधार पर 15 नवंबर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के अधीन आवकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. ₹. 100.00 प्रतिशत का दर पर जरूरी किया जाने वाला और 15 मई, 2009 को समन्वय पर प्रतिदेव 11.50 प्रतिशत अदा 2009 (पांचवां निर्गम) :

- (1) बापतः अदायगी को कार्यालय—व्याज 15 मई 2009 को समन्वय पर बापत अदा किया जायेगा।
- (2) निर्याम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्याम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) अज्ञान—इस अदा को व्याज पर 19 मार्च, 1990 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 19 मार्च, 1990 से 14 मई 1990 (सहित) को अदावि, के लिए व्याज 15 मई, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् व्याज छमाही आधार पर 15 नवंबर और 15 मई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपर्योग के प्रयोग प्रयोगार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. उपर्युक्त अद्यों के मामले में व्याज का गुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रूपमें पूर्णीकृत करने के बाद अदा को जायेगी। इस प्रयोगम के लिए पचास पैसे से कम के व्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसों को अगले रूपमें में पूर्णीकृत किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

7. आवेदनपत्र निर्मालित कार्यालयों में स्टोकार किये जायेंगे:—
  - (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बैंगर्ड, कलकत्ता, गुआहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नगर फिल्म, पटना और विवेन्द्रम में स्थित सोने क्षण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर, तथा तिकिकम राज्यों को छोड़कर अन्यज किसी राज्यों या उप-राज्यों में व्याज अदा किया जायेगा।
  - (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों दो छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की गाड़ियाँ।
  - (ग) उपर्युक्त प्रदा करने का स्थान—इन अद्यों पर भारतीय रिजर्व

बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बैंगर्ड, कलकत्ता, गुआहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नगर फिल्म, पटना और विवेन्द्रम में स्थित सोने क्षण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर, तथा तिकिकम राज्यों को छोड़कर अन्यज किसी राज्यों या उप-राज्यों में व्याज अदा किया जायेगा।

9. व्याज अदा करते समय (वर्षिक वित्र अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) कटे गये को वापसी अदायगी उन व्याज-घारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं हैं या जिनमें ऐसों दरों पर कर लागू होता है जो कटे गये कर की दर से कम हैं।

जिस घारक पर कर लागू नहीं हैं या निर्धारित दर से कम हर पर कर लागू है वह जिसे के आपकर अधिकारी को आदेद कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें वह आधिकृत किया गया हो कि कर की कटीती किये बिना या घारक पर लागू होने वाली दृष्टितम पर कर की कटीती करके उसे व्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुर आय छूट की संभा से अधिक नहीं है, व्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की निर्धारित फार्म में वो प्रतियों में जीपग्न-पत्र भेजने पर कर की कटीती किये बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. अब जारी किये जाने वाले अद्यों पर व्याज और इसकी पहले की आय सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाली आय कार्यालय 7,000 रुपयों की संभा तक और आपकर अधिनियम, 1961 की आदा 80% के अन्य उपर्योग के अधीन आपकर से छूट प्राप्त होगी।

11. अब जारी किये जाने वाले अद्यों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये आय निवेशों और संरक्षि कर अधिनियम की आदा 5 में निर्दिष्ट आदा निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संरक्षि कर ते छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियों के बाल स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में जरूर योग्य होने वाले अद्यों के लिए प्रयोगनाल रु. 1,000 या उसके गुणांशों के लिए होने चाहिए।

13. अद्यों के निए आवेदनपत्र—अद्यों के लिए प्रयोगनाल रु. 1,000 या उसके गुणांशों के लिए होने चाहिए।

14. आवेदनपत्र इसके भाष संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आयेवाक का पूरा भाग और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक व्याज की ददाद योगी को व्यक्ति करता है।

15. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि सकारी या बैंक के अन्य से प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले ऐसे संरक्षि बैंक के नाम आहुरित किये जाने चाहिए।

16. स्थीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत अदा आवेदनपत्रों पर किये गये आवेटनों पर तथा दवालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरपूर्ण रुपण आवेदनपत्रों पर किये गये आवेटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 मैस की दर पर दवाली अदा की जायेगी। बैंक-कार्यालय और सहकारी बैंक-अपने स्वयं के अधिदानों के लिए दवालों की अदायगी के प्रति नहीं होंगे।

राज्यपति के आदेश से, श्रीमती जानकी कठपालिया, संयुक्त सचिव

## दलाल की मूहर और पता

## आवेदन का फार्म

मैं/हम \* .....  
(पुरा/पूरे नाम)

इसके संथरु (रूपये) के लिए नकदी/चेक\* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मूँझे/हमें\* स्टाक प्रमाणपत्र/प्रेरणारूप\* एवं जी.एल. खाते में जमा के रूप में रु..... के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत क्रृष्ण, 1999 (पांचवां निर्गम)\*/11.00 प्रतिशत क्रृष्ण, 2004 (पांचवां निर्गम)/\*11.50 प्रतिशत क्रृष्ण, 2009 (पांचवां निर्गम)\* को प्रतिमूलिक जारी की जाए।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज ..... में अदा किया जाए।

विवेद टिप्पणी : इस खाते में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टियां ग्रादाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।	आधिकार	दिनांक
<p>आवेदन पत्र सं.</p> <p>“दलाली नहीं” मूहर</p> <p>नकदी प्राप्त होने की तारीख</p> <p>चेक/प्रस्तुत होने की तारीख</p> <p>विशेष चाल खाते में जमा करने की तारीख</p> <p>जांच की गयी</p> <p>नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया</p> <p>दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया</p> <p>मांग पत्र सं.</p>	.....	.....
<p>प्रतिमूलि सं.</p> <p>कांडे सं.</p> <p>वाउचर पारित करने की तारीख</p>	.....	.....

\*जो ग्रावश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

## हस्ताक्षर

पूरा (पूरे) नाम.....

पता .....

दिनांक : मार्च 1990

## टिप्पणी

- प्रत्येक क्रृष्ण, अक्षयन तथे क्रृष्ण के अभिदान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- यदि अवदान का हस्ताक्षर आगूठे के रूप में ही तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पता लिखें जाएं।
- यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक क्रृष्ण कार्यालय में रहते हीं पंजीकृत न किये गये हीं तो संलग्न किये जाएः—
  - निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
  - विनियमों और अनुचित नियमों या नियमों और विनियमों/उपनियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - कांडे/काले से सरकारी प्रतिमूलियों का लेन-देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किए गए संकेत्य की प्रमाणित प्रतिलिपि। उसके/उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टाक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छापाही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक क्रृष्ण कार्यालय में उपलब्ध) प्रावेश फार्म भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE  
 (Department of Economic Affairs)  
 NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 1990

No. F. 4(5)/W&M/89.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent Loan, 1999 (Fifth Issue), 11.00 per cent. Loan, 2004 (Fifth Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2009 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs. 934 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 19th March, 1990 upto the close of banking hours. In the event of 19th March, 1990 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving officers in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 934 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1999 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May, 1999:

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May, 1999.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 19th March, 1990. Interest for the period from 19th March, 1990 to 14th May, 1990 (inclusive) will be paid on 15th May, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent Loan, 2004 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May, 2004:

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May, 2004.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent per annum from 19th March, 1990. Interest for the period from 19th March, 1990 to 14th May, 1990 (inclusive) will be paid on 15th May, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent Loan, 2009 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May, 2009:

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May, 2009.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 19th March, 1990. Interest for the period from 19th March, 1990 to 14th May, 1990 (inclusive) will be paid on 15th May, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at:

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

8. Place of payment of interest—Interest on the Loans will be paid at the public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

9. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax, subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

12. The securities will be issued in the form of stock only.

13. Applications for the Loans—Applications for the loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operatives banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,  
 MRS. JANAKI KATHPALIA, Lt. Secy

## (BROKER'S STAMP WITH ADDRESS)

## FORM OF APPLICATION

I/We\* .....

[Full Name(s) in Block Letters]

herewith tender Cash\*/Cheque for Rs..... (Rupees.....) and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Fifth Issue\*)/11.00 per cent. Loan, 2004 (Fifth Issue\*)/11.50 per cent. Loan, 2009 (Fifth Issue\*) of the nominal value of Rs..... may be issued to me/us\* in the form of "Stock Certificate/Credit to my/our S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B. — The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office	
Initial Date	Signature(s)..... Name(s) in full.....
Application No. ....	.....
N.B. stamp .....	.....
Cash received on.....	.....
Cheque realised on.....	.....
Credited to Special Current Account on.....	.....
Examined.....	.....
Cash Application Register posted.....	.....
Brokerage.....	.....
Register posted.....	.....
Indent No. ....	.....
Scrip No. ....	.....
Card No. ....	.....
Voucher passed on.....	.....
	Dated the..... of March 1990

\*Delete what is not required.

Notes:—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signature.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application.
  - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Byc-laws of the Company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the Company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issue to them.

